सप्तशक्ति संगम

।।कीर्तिः श्रीवाक् च नारीणां स्मृतिर्मेधा धृतिः क्षमा।।

- श्रीमद्भगवद्गीता १०/३४

आइये,

समृद्ध भारत के लिये सप्तशक्ति जाग्रत करें।

समाज परिवर्तन का संकल्प करें।

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान

प्रज्ञा सदन, गो.ला.त्रे. सरस्वती बाल मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय

नेहरू नगर, महात्मा गांधी मार्ग, नई दिल्ली-110065

देश और विश्व की वर्तमान परिस्थितियों और चुनौतियों के समाधान में हमारी भूमिका को सप्तशक्ति संगम के माध्यम से जानने के बाद, आइए, हम संकल्प करें कि –

- घर में अग्निहोत्र करेंगे, सायं को गाय के घी का दीया जलायेंगे, तुलसी का पौधा लगायेंगे।
- अतिथियों अथवा परिवारजनों को छोटे पात्र में आवश्यक मात्रा में जल देंगे। अधिक प्यास होने पर दोबारा दिया जा सकता है।
- गृहवाटिका में जमीन या गमलों में गोबर व जैविक खाद से नित्योपयोगी शाक-भाजी और फूलदार पौधे उगायेंगे।
- सप्ताह में कम से कम एक बार परिवारजनों के साथ बैठ कर भोजन, भजन, सत्संग और संवाद करेंगे।
- अतिथियों या पड़ोसियों को काका, मामा, भाभी, बहनजी, मौसी व अम्मा आदि आयु वर्ग अनुसार संबोधित करेंगे तथा बच्चों को भी यही अभ्यास करायेंगे।
- जन्मदिन, विवाह आदि के समारोह का आयोजन भारतीय परम्परा के अनुसार करेंगे। परिवार परम्परा के अनुरूप भोजन, वेशभूषा, आमंत्रण पत्र, रीति-रिवाज स्वदेशी पद्धति के रखेंगे।

- अपने सांस्कृतिक त्योहारों को फिल्मी नहीं परम्परागत भारतीय पद्धति से मनाएंगे।
- घरेलू उपचार सीख कर अपनायेंगे।

- घर में कार्य करने वाले सेवक-सेविका का स्वास्थ्य परीक्षण करायेंगे।
- हमारे घरों में समाज के सभी बन्धु-भगिनी उनकी जाति, आर्थिक स्तर आदि का विचार किए बिना समान आदर प्राप्त करेंगे।
- उपभोगवाद से दूर रहकर संयमित, सदाचारी, सीमित, मितव्ययी जीवनशैली अपनायेंगे।
- आर.ओ. से निकले अतिरिक्त पानी को एकत्र कर बर्तन धोने, वाहन धोने और छिड़काव या बागवानी के लिए उपयोग करेंगे।
- बोतल बंद कोल्डड्रिंक्स के विकल्प के रूप में घर में बनाये जाने वाले शरबत का उपयोग करेंगे।
- नल नहीं टपके, पानी फालतू न बहे इसके लिए सचेत रहेंगे।
- बाजार जाते समय सदैव कपड़े का थैला साथ रखेंगे।
- प्लास्टिक की उपयोग कर फेंक देने वाली डिस्पोजेबल वस्तुएँ घर में नहीं लाएँगे।
- सप्ताह में कम से कम एक दिन या दिन में कुछ घंटे मोबाइल उपवास यानी मोबाइल का प्रयोग न करने का सत्प्रयास करेंगे।
- स्वदेशी वस्तुओं का ही प्रयोग करेंगे।
- परिवार में तथा विशेष से पर्व-त्योहारों में भारतीय व्यंजनों का उपयोग करेंगे।
- बचे हुए भोजन का उचित प्रकार से निस्तारण करेंगे।
- स्नानगृह में बाथ टब, फुहारे और सीधे नल के नीचे बैठकर नहाने की अपेक्षा बाल्टी से नहाने में पानी की बचत होती है, अतः ऐसा उपयोग करेंगे।
- घर में टीवी, साउंड सिस्टम, सार्वजनिक समारोहों या पारिवारिक आयोजनों में ध्वनिवर्द्धक संसाधनों का मध्यम ध्वनि में ही उपयोग करेंगे।
- घरेलू पुस्तकालय में अच्छी पुस्तकें रखेंगे। सत्साहित्य का पठन करेंगे।
- आधुनिक संचार माध्यमों में अपनी भाषा और लिपि का ही उपयोग करेंगे।

- भारतीय स्वाभिमान और गौरव को बढ़ाने वाली गतिविधियों, उपलब्धियों और अनुसंधानों का प्रचार-प्रसार करेंगे।

- राष्ट्रीय पर्व सदैव उत्साह व निष्ठा से मनाएंगे।
- राष्ट्रध्वज और राष्ट्रीय प्रतीकों का सम्मान करेंगे।
- किसी को आवश्यकता पड़ने पर अथवा नियमित अंतराल पर रक्तदान करेंगे।
- परिवार के साथ तीर्थयात्रा पर जायेंगे।
- स्थानीय स्तर पर चलने वाले सेवा कार्य में सहभाग करेंगे।
- पानी, बिजली, सफाई, संपत्ति, चुंगी कर, आयकर/जी.एस.टी. आदि समय पर चुकाएँगे। यह हमारा राष्ट्रीय कार्य में अंशदान है। इनकी चोरी कर हम राष्ट्र से चोरी कर रहे हैं। बार-बार माँगे जाने या अंतिम तिथि की प्रतीक्षा नहीं करेंगे।
- सार्वजनिक व सामूहिक स्थलों, सड़क, उद्यानों, मंदिर आदि की स्वच्छता में अपना सहयोग सुनिश्चित करेंगे।
- जहाँ सीसीटीवी कैमरा या चौकीदार नहीं, वहाँ भी नियम एवं व्यवस्था का पालन करने का अपना स्वभाव बनायेंगे।
- सामाजिक एवं शासकीय व्यवहारों में आर्थिक शुचिता का पालन करेंगे।

- सामाजिक संचार माध्यमों (सोशल मीडिया) पर अप्रामाणिक भ्रामक जानकारी न निर्माण करेंगे, न फैलायेंगे।
- सार्वजनिक संपत्ति को स्वयं क्षति नहीं पहुँचायेंगे। अन्य किसी को दुरुपयोग करते देख उसे रोकेंगे।
- जन प्रतिनिधि चयन के लिए मतदान के कर्तव्य का समुचित रीति से पालन करेंगे। योग्य जनप्रतिनिधियों का चयन करेंगे।